कटे होंठ और तालू - उपचार आसान है

डॉ. प्रदीप नणंतकर

जीवन में कई बार ऐसी बातें हो जाती हैं जिनके कारण इंसान हताश हो जाता है। यदि अपनी संतान में कोई जन्मजात दोष रह जाए तो स्थिति और भी पीड़ा देने वाली हो जाती है।

ऐसी बातों का ठीक-ठीक कारण पता न होने पर ऐसा लगता है कि यह कहीं किसी देवता का श्राप तो नहीं? या अपने पिछले जन्म के किसी पाप का खामियाज़ा अपनी संतान को तो नहीं भुगतना पड़ रहा? ऐसी आशंकाओं से घिरे पालक परेशान हो जाते हैं। अधिक संवेदनशील व्यक्ति तो आत्महत्या तक का विचार करने लगते हैं।

साक्षरता के बढ़ते प्रतिशत के बावजूद भारतीय समाज में जीवन को जीने का जज़्बा, व्यापक रूप से विचार करने की क्षमता, वैज्ञानिक नज़रिया, अपने मूल्यों पर विश्वास, आदि की कमी पाई जाती है। किसी अप्रिय घटना के लिए अपनी किस्मत को दोष देने या उसे देवी-देवताओं का प्रकोप मान लेने की प्रवृत्ति के कारण हाथ पर हाथ धरे बैठे रहने की आशंका बढ़ जाती है।

कभी-कभी ऐसा बच्चा पैदा होता है जिसके एक या दोनों होंठ बीच में से कटे हुए होते हैं। केवल ऊपर का होंठ कटा होने के उदाहरण अधिक मिलते हैं। इसे अंग्रेज़ी में 'हेअर लिप' यानी खरगोश होंठ कहते हैं क्योंकि खरगोश का ऊपर का होंठ कटा हुआ होता है। कुछ बच्चों की तालू में छेद (खंडतालू) होता है। बहुत कम बच्चों में ये दोनों दोष एक साथ होते हैं। ये दोनों ऐसे दोष हैं जिन्हें सही समय पर सही उपचार करके ठीक किया जा सकता है। ज़रूरत होती है सही जानकारी उपलब्ध कराने की। पढ़े-लिखे लोगों को भी प्रायः इस बारे में जानकारी नहीं होती।

महाराष्ट्र के लातूर ज़िले की रेणापुर तहसील के माकेगांव नामक गांव में एक गरीब किसान के परिवार में दो भाइयों, तात्याराव और विट्ठल लहाने का जन्म हुआ। दोनों भाई बड़े होकर डॉक्टर बने। बड़े भाई तात्याराव नेत्र विशेषज्ञ

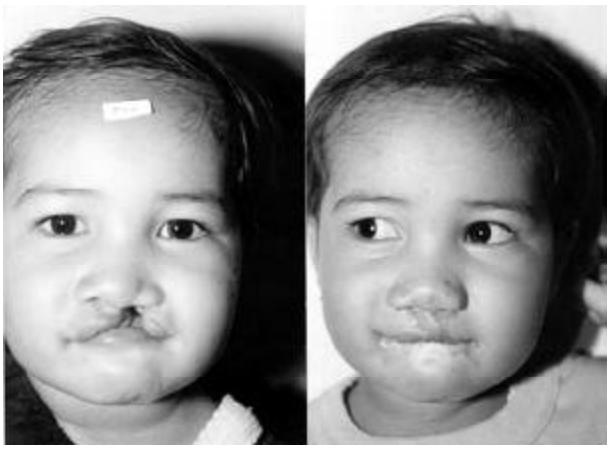

(आंखों के डॉक्टर) बने और उन्हें बाद में पद्मभूषण से नवाज़ा गया। छोटे भाई विट्ठल ने संसार के अग्रणी प्लास्टिक सर्जनों में अपना स्थान बनाया।

उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले लोग आम तौर पर अपनी माटी का कर्ज़ चुकाने के बारे में नहीं सोचते हैं। किंतु शहरी जीवन की चकाचौंध का मोह छोड़कर डॉक्टर विट्ठल ने लातूर में अपना स्वयं का अस्पताल खोला और अमरीका की 'स्माइल ट्रेन अमरीका' नामक संस्था के साथ मिलकर अब तक तीन हज़ार बच्चों के कटे होंठों के ऑपरेशन करके उनके जीवन में खुशियां बिखेरी हैं। उनसे की गई बातचीत से यह पता चलता है कि इस बीमारी के क्या कारण हो सकते हैं, और इसका क्या उपचार हो सकता है।

कटे होंठ और तालू

कटे हुए होंठ और खंडतालू का क्या मतलब होता है? यह एक जन्मजात दोष है जिसमें होंठ या तालू कटे हुए होते हैं। जब बच्चे का गर्भ में विकास होता है तब उसके चेहरे की मांसपेशियां और हड्डियां एक दूसरे से जुड़ते जाते हैं। यदि किसी कारण से इस जुड़ने की प्रक्रिया में रुकावट आ जाए तो होंठ या तालू खंडित रह जाते हैं। अंग्रेज़ी में इसे

फेल्युअर ऑफ फ्यूज़न ऑफ ब्रॉन्कियल आर्चेस कहते हैं।

कटे हुए होंठ वाले बच्चे बहुत बदसूरत दिखाई देते हैं। खंडतालू वाले बच्चे की तालू आधी या पूरी तरह फटी हुई होती है। ऐसे बच्चे बोल नहीं सकते और न मां का दूध पी सकते हैं। उन्हें खाते समय परेशानी होती है। दूध या पानी पीने पर वह नाक में से बाहर आने लगता है।

कटे होंठ और खंडतालू के क्या संभावित कारण हो सकते हैं? इस दोष के कारणों का अभी ठीक-ठीक पता नहीं चला है, किंतु निम्नलिखित कारक इसके लिए ज़िम्मेदार हो सकते हैं :

1) अनुवांशिकता - यदि माता-पिता में से किसी एक में यह दोष हो तो बच्चों में इस दोष के होने की आशंका केवल 10 से 25 प्रतिशत होती है। यह ज़रूरी नहीं है कि सब बच्चों में यह दोष हो ही जाए। यह आशंका होती है कि एक बच्चे में यह कमी पाई जाए। यह अनुवांशिकी कारकों (जीन्स) के माता-पिता से बच्चों में आने पर निर्भर होता है। यह भी हो सकता है कि ऐसे माता-पिता की संतान सामान्य हो और उस संतान की संतान में यह दोष पाया जाए। यदि दोनों पालकों में यह दोष हो तो उनकी संतानों में यह दोष पाए जाने की संभावना 50 प्रतिशत होती है। ऐसे मामलों में यह भी हो सकता है कि संतान सामान्य हो और अगली पीढ़ी में यह दोष प्रकट हो जाए।

2) पालक की आयु - यह पाया गया है कि यदि बच्चे के जन्म के समय पिता की आयु अधिक हो तो इस प्रकार का दोष हो सकता है। बहुत कम आयु के पालक का बच्चा होना भी एक संभावित कारण हो सकता है।

3) गर्भावस्था में मां को बीमारी होना - यदि गर्भावस्था के पहले तीन महीनों में मां को वायरस संक्रमण हो जाए तो यह दोष संतान में आ सकता है। किंतु अब तक इस वायरस की पहचान नहीं हो पाई है।

4) पोषण की कमी - मां को गर्भावस्था में उचित पोषण न मिलने के कारण कुछ विटामिनों (जैसे विटामिन बी-12) और अन्य तत्वों की कमी हो जाना एक संभावित कारण हो सकता है।

5) हानिकारक दवाएं - मां के द्वारा गर्भावस्था में कुछ हानिकारक दवाइयां लेने के कारण बच्चे में यह दोष हो सकता है।

6) रेडियोधर्मी किरणें - गर्भावस्था के पहले तीन महीनों में कुछ विशिष्ट प्रकार की रेडियोधर्मी किरणों के कारण बच्चे में इस प्रकार का दोष हो सकता है।

भारत में लगभग 40,000 बच्चों में जन्म के समय यह दोष पाया जाता है। इसका मतलब यह हुआ कि हर 700 बच्चों में एक बच्चा इस दोष के साथ पैदा होता है।

यह दोष किसी देवता के प्रकोप के कारण या ग्रहण में किसी चीज़ को काटने से या ऐसे अन्य किसी कारण से नहीं होता। यह प्राकृतिक प्रक्रियाओं के कारण होने वाली एक कमी है जिससे प्रति वर्ष हज़ारों बच्चे पीड़ित होते हैं।

सबसे महत्व की बात यह है कि समय पर ऑपरेशन करने से ऐसा बच्चा बिलकुल सामान्य दिखाई देने लगता है, बोल सकता है और हंस सकता है। किंतु दुर्भाग्य से हमारे देश के लाखों बच्चे इसके उपचार से वंचित हैं।

उपचार

ऑपरेशन से पहले क्या सावधानियां बरतनी चाहिए?

यदि बच्चे के केवल होंठ कटे हुए हों तो वह मां का दूध सामान्य बच्चे की तरह पी सकता है। किंतु यदि बच्चे को खंडतालू हो तो उसे स्तन से सीधे दूध नहीं पिलाना चाहिए। ऐसे बच्चों को कटोरी में दूध (जहां तक हो सके मां का दूध) लेकर चम्मच से पिलाना चाहिए।

ऑपरेशन कब करना चाहिए?

बच्चे की आयु तीन से छः माह होने और वज़न कम से कम पांच कि.ग्रा. होने पर कटे होंठों का ऑपरेशन करवाना चाहिए। किंतु खंडतालू वाले बच्चों का ऑपरेशन एक से डेढ़ वर्ष की आयु में और वज़न कम से कम दस कि.ग्रा. होने पर करवाना चाहिए।

क्या इन बच्चों के मस्तिष्क का विकास पूरी तरह हो पाता है? क्या ये सामान्य बच्चों की तरह बुद्धिमान होते हैं?

इस प्रकार का दोष होने पर भी बच्चे के मस्तिष्क का विकास पूरी तरह हो जाता है और उनकी बुद्धि सामान्य बच्चों के समान ही होती है।

ऑपरेशन का खर्च कितना होता है?

अच्छी बात यह है कि लहाने हॉस्पिटल, लातूर और स्माइल ट्रेन अमरीका के संयुक्त प्रयास से कटे होंठों और खंडतालू के उपचार के लिए लहाने हॉस्पिटल, लातूर में साल भर बिना किसी फीस के ऑपरेशन किए जाते हैं।

डॉ. विट्ठल लहाने और एनेस्थेसिस्ट डॉ. राजेश शाह ने मिल कर पिछले चार वर्षों में कटे होंठों और खंडतालू के उपचार के लिए तीन हज़ार से अधिक ऑपरेशन मुफ्त किए हैं। वैसे यह सुविधा देश भर के कई अस्पतालों में निशुल्क उपलब्ध है। ***(स्रोत फीचर्स)***